भारत का चाय उद्योग

स्रोत: बिज़नेस स्टैंडर्ड

जलवायु परिवर्तन के कारण **उत्पादन में गिरावट** के बावजूद **ऊँची कीमतों** के कारण भारत में चाय उद्योग को सितम्बर तिमाही के दौरान लाभ में वृद्धि का अनुभव हुआ है।

- शुष्क मौसम और अनियमित वर्षा के कारण **वर्ष 2023 की तुलना में 76.73 मिलियन किलोग्राम** उत्पादन का नुकसान हुआ।
- भारतीय चाय बोर्ड की नीतियों, जिनमें **बागानों को समय से पहले बंद करना** और **गुणवत्ता अनुपालन** शामिल है, ने हितधारकों के हितों को संरेखित करने और बाज़ार संकेतों को बेहतर बनाने में मदद की, जबकि लागत प्रबंधन और गुणवत्ता पर ध्यान केंद्रित करने से **कुछ कंपनियों की लाभप्रदता में वृद्धि हुई।**
- भारत **शीर्ष 5 चाय निर्यातकों** में से एक है, जो वैश्विक निर्यात का 10% हिस्सा है। वर्ष 2023-24 में, इसने 250.73 मिलियन किलोग्राम चाय का निर्यात किया, जिसमें असम, दार्जिलिंग और नीलगिरी चाय वैश्विक स्तर पर प्रसिद्ध हैं।
- **भारतीय चाय बोर्ड:** इसकी **स्थापना वर्ष 1953 के चाय अधिनियम** के तहत **वाणिज्य मंत्रालय** के अधीन केंद्र सरकार के एक **वैधानिक निकाय** के रूप में की गई थी, इसका **मुख्यालय कोलकाता, पश्चिम बंगाल** में है, इसके अलावा **लंदन, दुबई और मॉस्को** में तीन विदेशी कार्यालय भी हैं।
- **वर्ष 1881** में स्थापित भारतीय चाय संघ ने चेतावनी दी थी कि बढ़ती मज़दूरी और उत्पादन लागत के कारण उत्पादन रुकने से **चौथी तिमाही (अक्टूबर-दिसंबर) का** लाभांश कम हो सकता है।

अधिक पढ़ें: भारतीय चाय बोर्ड

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/india-s-tea-industry